



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 454] नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 6, 1981/आश्विन 14, 1903
No. 454] NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 6, 1981/ASVINA 14, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ रख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग]

आदेश

नई दिल्ली 6 अक्टूबर, 1981

का०आ० 737(अ).—केन्द्रीय सरकार न, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18क उपधारा (1) के खड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तिया का प्रयोग करने हुए भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का०आ० 601(अ)1/18क/आई डी आर ए/74, तारीख 8 अक्टूबर, 1974 द्वारा उममे विनिश्चित प्रबन्ध बोर्ड की मेमर्स इस्टर्न डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड कलकत्ता क पूर्ण औद्योगिक उपक्रम के प्रबन्ध ग्रहण के लिए 8 अक्टूबर, 1974 में आरम्भ हान वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए प्राधिकृत किया था, और ऊपर विनिश्चित प्रबन्ध बोर्ड का भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 566 (अ) तारीख 25 सितम्बर 1978 द्वारा पुनर्संठन किया गया था और केन्द्रीय सरकार न भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 237(अ) तारीख 1 मई, 1979 द्वारा, सचिव, उद्योग और बन्द उद्योग विभाग पश्चिमी बंगाल सरकार का उपर्युक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए 8 अक्टूबर, 1974 से पांच वर्ष की शेष अवधि के लिए प्राधिकृत किया था,

और केन्द्रीय सरकार न आदेश सं० का०आ० 566(अ)/18क आई डी आर ए/79 तारीख 28 सितम्बर, 1979 द्वारा निदेश दिया था कि उक्त आदेश का प्रभाव 8 अक्टूबर, 1979 में एक वर्ष की और अवधि के लिए जारी रहेगा,

और केन्द्रीय सरकार न आदेश सं० का०आ० 838 (अ) तारीख 7 अक्टूबर, 1980 द्वारा निदेश दिया था कि उक्त आदेश का प्रभाव 8 अक्टूबर 1980 में एक वर्ष की और अवधि के लिए जारी रहेगा,

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह ममीचीन है कि समय समय पर यथा संशोधित उक्त आदेश सं० का०आ० 601 (अ) 18क/आई डी आर ए/74, तारीख 8 अक्टूबर, 1974 का, उपर्युक्त मात वर्ष की अवधि के अवसान के पश्चात् प्रभाव बना रहना चाहिए,

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि समय-समय पर यथासंशोधित तारीख 8 अक्टूबर, 1974 के उक्त आदेश का प्रभाव 8 अक्टूबर, 1981 से एक वर्ष की और अवधि के लिए जारी रहेगा ।

[का० सं० 2(16) 79-सी दू एस]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 6th October, 1981

S.O 737(E).—Whereas the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1)

of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) by the Order of the Government of India, in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 601(E)/18A/IDRA/74, dated the 8th October, 1974, authorised the Board of Management specified therein to take over the management of the whole of the industrial undertaking, namely Messrs. Eastern Distilleries Private Limited, Calcutta for a period of five years, commencing from the 8th October, 1974 and the Board Management referred to above was reconstituted by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 566(E) dated the 25th September, 1978;

And whereas by Order of the Government of India, in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 237(E), dated the 1st May, 1979, the Central Government authorised the Secretary, Sick and Closed Industries Department, Government of West Bengal, to take over management of the aforesaid industrial undertaking for the remaining period of five years from the 8th October, 1974;

And whereas by Order No. S.O. 556(E)/18A/IDRA/79, dated the 28th September, 1979, the Central Government directed that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year from 8th October, 1979;

And whereas by Order No. S.O. 838(E) dated the 7th October 1980, the Central Government directed that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year from 8th October, 1980;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order No. S.O. 601(E)/18A/IDRA/74, dated the 8th October, 1974 as amended from time to time, should continue to have effect after the expiry of the period of seven years aforesaid.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulations) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order dated the 8th October, 1974, as amended from time to time, shall continue to have effect for a further period of one year from the 8th October, 1981.

[F. No. 2(16)/79-CUS]

कांभा० 738(अ).—18कक/आई डी आर ए/81.—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० कांभा० 602(अ)/18कक/आई डी आर ए/74 तारीख 9 अक्टूबर, 1974 द्वारा उसमें विनिर्दिष्ट व्यक्ति निकाय को 9 अक्टूबर, 1974 से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिए मैसर्स मोटर एण्ड मशीनरी मैयूफैक्चर्स लिमिटेड, कलकत्ता का प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० कांभा० 567(अ)/18कक/आई डी आर ए/78, तारीख 25 मितम्बर, 1978 द्वारा उक्त व्यक्ति निकाय के स्थान पर उक्त औद्योगिक उपक्रम के मुख्य अधिशासक श्री पी एन रामचन्द्रन की प्रतिस्थापित किया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० कांभा० 572(अ)/18कक/आई डी आर ए/79, तारीख 8 अक्टूबर, 1979 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 8 अक्टूबर, 1981 तक, जिस में यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ा दी गई है;

और केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० कांभा० 886(अ)/18कक/आई डी आर ए/80, तारीख 29 अक्टूबर, 1980 द्वारा भारत हेवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड कलकत्ता के उप महाप्रबंधक श्री के०एम० वनजी को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था,

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि समय समय पर यथा उपान्तरित उक्त आदेश सं० कांभा० 602(अ)/18कक/आई डी आर ए/74, तारीख 9 अक्टूबर, 1974 पूर्वोक्त 8 अक्टूबर, 1981 की तारीख के पश्चात् भी उक्त मास की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहना चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक के साथ पठित धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि समय-समय पर यथा उपान्तरित उक्त आदेश सं० कांभा० 602(अ)/18कक/आई डी आर ए/74, तारीख 9 अक्टूबर, 1974, 8 अप्रैल, 1982 तक का और अवधि के लिए जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है प्रभावी बना रहना।

[कां सं० 2(23) 79-सी०यू०एस०]

S.O. 738E/18AA/IDRA/81.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 602(E)/18AA/IDRA/74, dated the 9th October, 1974 made in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government authorised a body of persons specified therein to take over the management of Messrs. Motor and Machinery Manufacturers Ltd., Calcutta, for a period of five years, commencing from 9th October, 1974 and the said body of persons was replaced by Shri P. N. Ramchandran, Chief Executive of the said industrial undertaking by Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 567(E)/18AA/IDRA/78 dated the 25th September, 1978.

And whereas by order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 572(E)/18AA/IDRA/79 dated the 8th October, 1979 the duration of the said order has been extended upto and inclusive of 8th October, 1981,

And whereas by order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 866(E)/18AA/IDRA/80 dated the 29th October, 1980, the Central Government authorised Shri K. M. Banerjee, Deputy General Manager, Bharat Heavy Electricals Limited, Calcutta to take over the management of said industrial undertaking;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order No. S.O. 602(E)/18AA/IDRA/74 dated the 9th October, 1974 as modified from time to time should continue to have effect after the expiry of the aforesaid date of 8th October, 1981 for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 18AA, read with proviso to sub-Section (2) of Section 18A, of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order No. S.O. 602(E)/18AA/IDRA/74 dated the 9th October, 1974 as modified from time to time, shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 8th April, 1982.

[F. No. 2(23)/79-CUS]

कांभा० 739(अ)/18कक/आई डी आर ए/81.—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० कांभा० 37(अ)/18कक/आई डी आर ए/75, तारीख 17 जनवरी, 1975 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी सविवाधों सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उसके विषय, जो बैंकों और विदेशी संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) जिसका पैसमें मोटर एण्ड मशीनरी

मैन्युफैक्चरर्स लिमिटेड, फलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम एक पञ्चकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू हों, प्रवर्तन उस तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएँ और वास्तविक उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे;

और केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० वा०का० 30(प्र) 18वख/आई डी ड्राए/81 तारीख 16 जनवरी, 1981 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 8 अक्टूबर, 1981 तक जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है और बढ़ा दी थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हुआ गया है कि उक्त आदेश की अवधि 8 अप्रैल, 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है को और अवधि के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए,

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-वख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि 8 अप्रैल 1982 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[फाइल सं० 2(23)/79-सी०यू०एम०]

सी०के०मोदी, संयुक्त सचिव

37(E)|18FB|IDRA|75, dated the 17th January, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs. Motor and Machinery Manufacturers Limited, Calcutta, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended for a period of one year from such date and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 30(E)|18FB|IDRA|81, dated the 16th January, 1981 the duration of the said Order was further extended upto and inclusive of the 3th October, 1981;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of the 8th April, 1982;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 8th April, 1982.

S.O. 739(E)|18FB|IDRA|81.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O.

[F. No. 2(23)/79-CUS]

C. K. MODI, Jt. Secy

